पत्रिका

मुताबिक बड़े श्रीनाथ मंदिर पर हर पुष्टि पुरुषोत्तम प्रभु श्रीनाथ की अनन्य भोग लगाया गया। साथ ही देर शाम को का आयोजन किया जाता है। गुरुद्वारा साहिब पहुंचती है। पर्व की रहा है।

मप्र डे-आजीविका मिशन से जुड़ी स्व-सहायता समूह की दीदीयों को आर्थिक रूप से सशक्त करने कार्यक्रम

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएंगे, जिले में 800 एकड़ में लगाए जाएंगे फलदार पौधे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

राजगढ़. मनरेगा से अभिसरण एवं मप्र डे-आजीविका मिशन से जुड़ी स्व-सहायता समूह की दीदीयों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए एक बगिया मां के नाम परियोजना में फलदार पौधरोपण शुरू कर दिया है।

जिले के सभी छह विकासखंडों में 810 दीदीयों का चयन किया गया जो करीब 800 एकड़ मे फलदार पौधे रोपेंगी। इसकी शुरुआत की जा चुकी है। जानकारी के अनुसार प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के लिये प्रयास कर रही है। इसमें हर विकासखंड से 100 से अधिक महिलाओं को फलदार पौधरोपण के चिए चयनित किया गया है। यहां राजगढ़ जिले में 06 विकासखंड में आधा से एक एकड़ में दीदीयां पौधरोपण कर रही है। इसके लिये सरकार के द्वारा 1.50-2.70 लाख तक की आर्थिक सहायता भी दी जा रही है, जिससे पौधों का रखरखाव, फेंसिंग की जा सके और मनरेगा से पौधरोपण किया जा रहा है।

आर्थिक रूप से सशक्त होगी दीदीयां

हितग्राहियों को तीन साल तक एक बगिया के मां के नाम की देखभाल और सुरक्षा के बाद फल मिलने लगेगा। इन फलों को बाजार में विक्रय कर दीदीयां आर्थिक रूप से सशक्त होगी। एक बगिया से सालाना 70 से 80 हजार की आय दीदीयां प्राप्त कर सकेंगी। जिससे आर्थिक समृद्धि आएगी। इसके अलावा मनरेगा के माध्यम से पौधों के रोपण और उनके रखरखाव में श्रम दिया जाएगा। इससें भी रोजगार मिलेगा। सोमवार को जिला पंचायत सभागार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत इच्छित गढ़पाले के निर्देशन में एक बगिया मां के नाम अंतर्गत चयनित हितग्राहियों की कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें राजगढ और जीरापुर के हितग्राहियों ने भाग लिया। 06-07 नवंबर को शेष चार विकासखंडों के हितग्राहियों के लिए कार्यशाला होगी।

हितग्राहियों का चयन

समूह की दीदीयों को हितग्राही के रूप में चयन करने के लिये कृषि सखियों के द्वारा सिपरी मोबाइल एप्पलीकेशन का उपयोग किया गया। सिपरी साफ्टवेयर के माध्यम से हितग्राही की भूमि का परीक्षण किया गया । पौधरोपण के लिए अनुकुल जलवायु, पौधे के लिए उपयुक्त जमीन, समेत अन्य जानकारी सिपरी एप्प के माध्यम से पता की गई। उपयोग जमीन पाए जाने पर हितग्राही का चयन हुआ। राजगढ़ जिलें में 24 कृषि सखियाँ है, जो हितग्राही का तकनीकी मार्गदर्शन कर रही है।

04/11/2025 | Rajgarh | Page : 3
Source : https://epaper.patrika.com/